

भूल चुक दिलो विसार असि आँगन हारे

भूल चुक दिलो विसार असि आँगन हारे,
तू है बक्शनहार ऐसी आँगन हारे,

बचैया दी भुला नु चेतें ल्यावी न,
ममता प्यार दुलार च फर्क तू पावी ना,
मंगे प्यारे दुलार असि आँगन हारे

हर दम एह अरदास करि तेरे द्वारे,
अटकी बेहड़े दातिया तू लखा तारे,
हूँ साहनु भी तार असि आँगन हारे

की कहिये की कहना है की कह सकिये,
एहना ही काफी है चरनी बह सकिये,
तू करता करतार असि आँगन हारे

दुनिया दे विच रह के दुनिया दार होये,
साहिल मोह माया दे खिद मत दार होये,
बस इक वार निहार असि आँगन हारे

<https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/9427/title/bhul-chuk-dilo-visaar-asi-augan-haare>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |